भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †2345

सोमवार, 15 दिसंबर, 2025/24 अग्रहायण, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

खजुराहो में पर्यटन को बढ़ावा

†2345. श्री विष्णु दत्त शर्माः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार तीर्थयात्रा और विरासत सर्किट विकसित करने तथा घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 'तीर्थयात्रा पुनरुद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रसाद)' और 'देखो अपना देश' जैसी प्रोत्साहन पहलों को क्रियान्वित कर रही है;

(ख) क्या खजुराहो लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल, खजुराहो शहर के स्थलों के लिए कोई 'प्रसाद' परियोजनाएँ, प्रचार एवं संवर्धनात्मक कार्यकलाप, फैम टूर या 'देखो अपना देश' पहल स्वीकृत की गई हैं या शुरू की गई हैं, यदि हाँ, तो धनराशि, कार्यों और कार्यान्वयन एजेंसियों सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) पर्यटन से आय को सीधे तौर पर बढ़ाने के लिए गरीब परिवारों, प्रशिक्षित पर्यटक गाइडों, महिलाओं द्वारा संचालित होमस्टे, स्थानीय शिल्प बाजारों, परिवहन प्रदाताओं और छोटे विक्रेताओं को एकीकृत करने के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या इस क्षेत्र में संवर्धनात्मक या विकासात्मक सहायता अपर्याप्त है, यदि हाँ, तो इसके क्या कारण हैं और इन जिलों को प्राथमिकता देने के लिए क्या कदम उठाए जाने की योजना है; और

(ङ) पर्यटकों की संख्या, स्थानीय रोजगार, एसएचजी (स्वयं सहायता समूह) की आय और कारीगरों की भागीदारी के लिए उपयोग किए जाने वाले निगरानी संकेतकों का ब्यौरा क्या है और स्थानीय कल्याण पर प्रभाव का आकलन करने के लिए समय-सीमा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): पर्यटक गंतव्यों और उत्पादों का विकास मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है। मंत्रालय राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से विभिन्न योजनाओं और पहलों के माध्यम से पर्यटन अवसंरचना का विकास करके उनके प्रयासों को संपूरित करता है।

जनवरी, 2015 में प्रशाद योजना की शुरूआत से, मंत्रालय ने तीर्थस्थल और विरासत स्थलों पर अवसंरचना विकास के लिए 1726.74 करोड़ रु. की कुल लागत की 28 राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों में 54

परियोजनाओं को मंजूरी दी है। प्रशाद योजना के तहत खजुराहो में कोई परियोजना स्वीकृत नहीं की गई है। हालांकि, पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन योजना के तहत विरासत परिपथ के तहत कुल 89.82 करोड़ रुपये की लागत की 'ग्वालियर-ओरछा-खजुराहो-चंदेरी-भीमबेटका-मांडू का विकास' नामक परियोजना को मंजूरी दी है और अब तक कुल 89.49 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं।

पर्यटन मंत्रालय अपने जारी प्रयासों के हिस्से के रूप में खजुराहो सहित देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों एवं उत्पादों का कार्यक्रमों, वेबसाइट, सोशल मीडिया पर प्रचार, मेलों एवं महोत्सवों आदि जैसे संवर्धनात्मक कार्यकलापों के माध्यम से भी संवर्धन करता है।

इसके अतिरिक्त, पर्यटन मंत्रालय ने देश में घरेलू पर्यटन के संवर्धन के लिए जनवरी, 2020 में 'देखो अपना देश' नामक पहल शुरू की थी। इस पहल के तहत, मंत्रालय वेबिनार, प्रश्नोत्तरी, शपथ, सेमिनार, पर्यटन संवर्धनात्मक कार्यक्रम, फैम टूर, वेबसाइट, सोशल मीडिया आदि जैसे विभिन्न कार्यकलापों के माध्यम से भारत के पर्यटन स्थलों और उत्पादों का संवर्धन करता है।

इसके अलावा, पर्यटन मंत्रालय सेवा प्रदाताओं के लिए क्षमता निर्माण (सीबीएसपी) योजना के तहत पर्यटक गाइडों, परिवहन प्रदाताओं, स्थानीय कारीगरों और होमस्टे प्रदाताओं सहित पर्यटन सेवा प्रदाताओं को देश की विशाल पर्यटन क्षमता का पूर्ण लाभ उठाने और स्थानीय आबादी को व्यावसायिक विशेषज्ञता प्रदान करने के साथ-साथ पर्यटन क्षेत्र में नए अवसर सृजित करने हेतु पर्यटन उद्योग के प्रत्येक स्तर पर जनशक्ति को उन्नत बनाने के लिए शिक्षा, प्रशिक्षण और प्रमाणन प्रदान करता है।

(ङ): पर्यटन मंत्रालय समय-समय पर परियोजनाओं के परिणामों और प्रभावकारिता के मूल्यांकन के लिए केन्द्रीय क्षेत्र की योजनाओं के प्रभाव का मूल्यांकन करता है। मूल्यांकन में पर्यटकों के आगमन, स्थानीय रोजगार सृजन, स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की आय में वृद्धि और पर्यटन से जुड़ी गतिविधियों में स्थानीय कारीगरों की भागीदारी जैसे प्रमुख प्रदर्शन संबंधी संकेतक शामिल हैं। इसके अलावा, यह अध्ययन स्थानीय सामाजिक-आर्थिक कल्याण पर योजनाओं के व्यापक प्रभाव की जांच करता है। ये संकेतक सामूहिक रूप से सतत और समावेशी पर्यटन विकास में योजनाओं के योगदान का व्यापक मूल्यांकन करने में सक्षम बनाते हैं।

*****